







Mahendra's



UP POLICE कांस्टेबल/ UP लेखपाल

GK/GS

होली स्पेशल



LIVE

02:00 PM



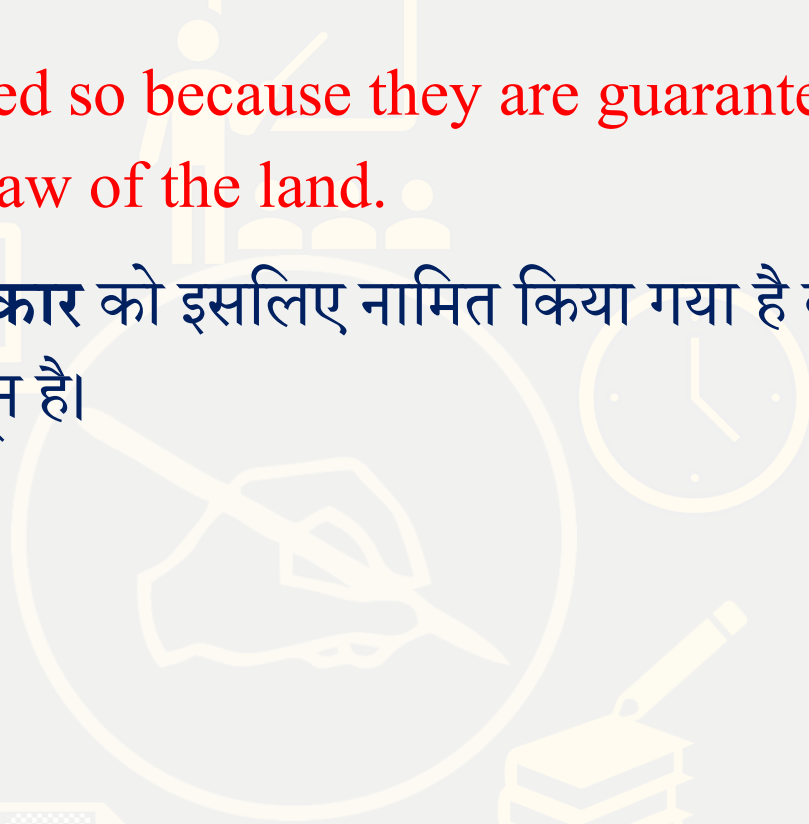
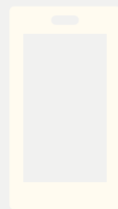
Fundamental Rights

Part - 3

- Part III of the Constitution is rightly describes as the Magna Carta of India.
- संविधान का भाग III भारत के मैग्ना कार्टा के रूप में वर्णित है।
- The fundamental Rights are guaranteed by the Constitution to all persons without any discrimination.
- मौलिक अधिकारों की गारंटी संविधान द्वारा सभी व्यक्तियों को बिना किसी भेदभाव के दी जाती है।
- It meant promoting the idea of political democracy. They prevent the establishment of an authoritarian and despotic rules in the country and protect the liberties and freedoms of the people against the invasion by the State.
- इसका मतलब राजनीतिक लोकतंत्र के विचार को बढ़ावा देना था। वे देश में एक अधिनायकवादी और निरंकुश नियमों की स्थापना को रोकते हैं और राज्य द्वारा आक्रमण के खिलाफ लोगों की स्वतंत्रता और स्वतंत्रता की रक्षा करते हैं।

Fundamental Rights

- F. R. are named so because they are guaranteed and protected by the Constitution, which is fundamental law of the land.
- . मौलिक अधिकार को इसलिए नामित किया गया है क्योंकि वे संविधान द्वारा गारंटीकृत और संरक्षित हैं, जो भूमि का मौलिक कानून है।



Fundamental Rights

- Features of the Fundamental rights:
 - Some of them are available only to citizens while others are available to all persons whether citizens, foreigners or legal persons like corporations or company.
 - कुछ मौलिक अधिकार केवल नागरिकों के लिए उपलब्ध हैं, जबकि अन्य सभी व्यक्तियों के लिए उपलब्ध हैं चाहे नागरिक, विदेशी या कानूनी व्यक्ति जैसे निगम या कंपनी।
 - They are not absolute but Qualified. The State can impose reasonable restrictions on them.
 - ये पूर्ण नहीं हैं, लेकिन योग्य हैं। राज्य उन पर फिर से प्रतिबंध लगा सकता है।

Fundamental Rights

➤ **Six types of rights are as follows –**

➤ **Right to Equality (14 -18)**

➤ समानता का अधिकार (14 -18)

➤ **Right to Freedom (19 – 22)**

➤ स्वतंत्रता का अधिकार (19 - 22)

➤ **Right against Exploitation (23 & 24)**

➤ शोषण के खिलाफ अधिकार (23 और 24)

➤ Six types of rights are as follows –

- Right to freedom of Religion (25 – 28)
- धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार (25 - 28)
- Cultural and Educational Right (29 – 30)
- सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार (29 - 30)
- Right to Constitutional Remedy (32)
- संवैधानिक उपाय का अधिकार (32)

Right to Equality

Article 14 - 18

- **Article 12 – Definition of State / अनुच्छेद 12 - राज्य की परिभाषा**
- **Article 13 – Definition of law / अनुच्छेद 13 - कानून की परिभाषा**
- **Article 14 - Equality before Law / अनुच्छेद 14 - कानून के समक्ष समानता**
- **Article 15 - Prohibition of discrimination on grounds of religion, race, caste, sex or place of birth**
- **अनुच्छेद 15 - धर्म, जाति, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव का निषेध**
- **Article 16 - Equality of opportunity in matter of public employment**
- **अनुच्छेद 16 - सार्वजनिक रोजगार के मामले में अवसर की समानता**
- **Article 17 - Abolition of Untouchability / अनुच्छेद 17 - अस्पृश्यता का उन्मूलन**
- **Article 18 - Abolition of titles / अनुच्छेद 18 - शीर्षकों का उन्मूलन**

Right to Freedom

Article 19 - 22

- **Article 19** - Protection of certain rights regarding freedom of speech
- अनुच्छेद 19 - बोलने की स्वतंत्रता के संबंध में कुछ अधिकारों का संरक्षण
- **Article 20** - Protection in respect of conviction for offences
- अनुच्छेद 20 - अपराधों के लिए सजा के संबंध में संरक्षण
- **Article 21** - Protection of life and personal liberty
- अनुच्छेद 21 - जीवन की सुरक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता
- **Article 22** - Protection against arrest and detention in certain cases
- अनुच्छेद 22 - कुछ मामलों में गिरफ्तारी और नजरबंदी के खिलाफ संरक्षण

Right against Exploitation

Article 23 - 24

- **Article 23** - Prohibition of traffic in human beings and forced labour.
- अनुच्छेद 23 - मानव में यातायात पर प्रतिबंध और मजबूर श्रम
- **Article 24** - Prohibition of employment of children in factories
- अनुच्छेद 24 - कारखानों में बच्चों के रोजगार पर प्रतिबंध

Right to Freedom of Religion

Article 25 - 28

- **Article 25** - Freedom of conscience and free profession, practice and propagation of religion
- अनुच्छेद 25 - अंतरात्मा की स्वतंत्रता और मुक्त पेशा, अभ्यास और धर्म का प्रचार
- **Article 26** - Freedom to manage religious affairs
- अनुच्छेद 26 - धार्मिक मामलों का प्रबंधन करने की स्वतंत्रता
- **Article 27** - Freedom as to payment of taxes for promotion of any particular religion
- अनुच्छेद 27 - किसी भी धर्म के प्रचार के लिए करों के भुगतान के रूप में स्वतंत्रता
- **Article 28** - Freedom as to attendance at religious instruction or religious worship in certain educational institution
- अनुच्छेद 28 - कुछ शिक्षण संस्थान में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक पूजा में उपस्थिति के रूप में स्वतंत्रता

Cultural and Educational Right

Article 29 - 30

- **Article 29 - Protection of interests of minorities** / अनुच्छेद 29 - अल्पसंख्यकों के हितों का संरक्षण
- **Article 30 - Right of minorities to establish and administer educational institutions**
- अनुच्छेद 30 - शैक्षिक संस्थानों की स्थापना और प्रशासन के लिए अल्पसंख्यकों का अधिकार
- **Note -**
- **Right to Property (Article – 31)** which was a fundamental right was deleted from the list of fundamental rights and was made a Legal Right in 1978 by 44th Amendment.
- संपत्ति का अधिकार (अनुच्छेद - 31) जो एक मौलिक अधिकार था, मौलिक अधिकारों की सूची से हटा दिया गया था और 1978 में 44 वें संशोधन द्वारा इसे कानूनी अधिकार बना दिया गया था।

Constitutional Remedy

- **Article 32 of Indian Constitution provides for constitutional remedies against the violation or transgression of Fundamental Rights.**
- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 32 मौलिक अधिकारों के उल्लंघन या अपराध के खिलाफ संवैधानिक उपचार प्रदान करता है।
- **Article 32 which was referred to “as the very soul of the Constitution” by Dr. B.R. Ambedkar.**
- अनुच्छेद 32 जिसे डॉ. बी आर अम्बेडकर द्वारा "संविधान की आत्मा के रूप में" संदर्भित किया गया था।
- **Constitutional Remedy also known as Writ.**
- संवैधानिक उपचार को रिट के रूप में भी जाना जाता है।
- **Writ means an orders. / रिट का अर्थ है एक आदेश।**
- **Supreme Court by Article 32 and High Court (Article 226) can issue writs.**
- सुप्रीम कोर्ट आर्टिकल 32 और हाई कोर्ट (आर्टिकल 226) रिट जारी कर सकता है।

Types of Writs

- There are 5 types of writ –
- **Habeas Corpus** means “to have the body of” / बंदी प्रत्यक्षीकरण का अर्थ है "शरीर के लिए"
- **Mandamus** means “we command” / परमादेश का अर्थ है "हम आज्ञा देते हैं"
- **Prohibition** means “to forbid” / निषेध का अर्थ है "मना करना"
- **Certiorari** means “to be certified” / अधिकार पृच्छा का अर्थ है "प्रमाणित होना"
- **Quo – Warranto** means “by what authority or warrant”
- उत्प्रेषण का अर्थ है "किस अधिकार या वारंट से"